नन्हा माओ माओ और नन्ही पूसी

1/70

विदेशी भाषा प्रकाशन-गृह
पेइचिङ

नन्हा माओ माओ और नन्ही पूसी

सम्पादन व चित्रांकन : **ली क्वोई**

चच्याङ जन ललितकला प्रकाशन-गृह के सौजन्य से

विदेशी भाषा प्रकाशन-गृह
पेइचिङ

दूर गगन में,
चांद चमक रहा है।
झिलमिलाते सितारे,
बादलों से आंखमिचौनी खेल रहे हैं।

फूल सो चुके हैं,
पंछी डाल पर विश्राम कर रहे हैं।

नन्ही तुङ्तुङ
मीठी नींद ले रही है।
घर के सभी लोग सो चुके हैं।

लेकिन नन्ही पूसी
अभी नहीं सोई।
नन्हा माओमाओ भी
अभी नहीं सोया।

दोनों आंखमिचौनी खेलने लगते हैं।
नन्ही पूसी पलंग पर जा पहुंचती है।
नन्हा माओमाओ
पलंग के नीचे छिप जाता है।
नन्ही पूसी कहती है : "म्याऊं !"
नन्हा माओमाओ उत्तर देता है : "म्याऊं !"

फूलों की नींद खुल जाती है,
पंछियों की नींद खुल जाती है।
वे कहते हैं :
"रात को जागने वाले बच्चे
हमें अच्छे नहीं लगते।"

तभी भोर हो जाती है।
सूरज मुस्कराता हुआ
आसमान में पहुंच जाता है।
हवा झरनों को छूती हुई
सर-सर बहने लगती है।

फूल जाग जाते हैं,
पंछी जाग जाते हैं।

नन्ही तुङ्तुङ
खुले आसमान के नीचे कसरत करने लगती है।
फूल झूमने लगते हैं,
पंछी गाने लगते हैं।

जल्दी उठने वाले बच्चे,
सबको अच्छे लगते हैं।

पर नन्ही पूसी
अभी खर्राटे मार रही है।
नन्हा माओमाओ भी
अभी सो रहा है।

नन्ही पूसी और नन्हा माओमाओ
सुबह की ताजा हवा
नहीं ले पाते,
अध्यापिका द्वारा
कक्षा में सुनाई गई
कहानी नहीं सुन पाते ।
कितने अफसोस की बात है !

मेरे नन्हे प्यारे दोस्तो,
तुम्हें आलसी पूसी के रास्ते पर
हरगिज नहीं चलना चाहिए।
रात को जल्दी सो जाना चाहिए,
और सुबह जल्दी उठना चाहिए।
जल्दी सोना और जल्दी उठना
अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है !

प्रथम संस्करण १९८१

प्रकाशक : **विदेशी भाषा प्रकाशन-गृह,**
२४ पाएवानच्वाङ मार्ग, पेइचिङ

मुद्रक : **जन शिक्षा प्रकाशन-गृह मुद्रणालय,** पेइचिङ

वितरक : **क्वोची शूत्येन (चीनी प्रकाशन विक्रयकेन्द्र),**
पो. आ. बाक्स ३९९, पेइचिङ

चीन लोक गणराज्य में मुद्रित

毛 毛 和 猫 猫
励国仪 编绘
*
外文出版社出版
（中国北京百万庄路24号）
人民教育出版社印刷厂印刷
中国国际书店发行
1981年（20开）第一版
编号：（印地）8050—2075
00035
88—H—187P

Rs 1-70